

लक्ष्मीबाई को किया नमन, जलाए दीप

समाजसेवी संस्थाओं ने किए कार्यक्रम, छात्राओं ने सांस्कृतिक व रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति दी

संवाद न्यूज एजेंसी

झांसी। वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई की जयंती पर बुधवार को भी कई समाजसेवी संस्थाओं ने कार्यक्रम किए। पौधे लगाए और रानी की प्रतिमा के समक्ष दीप दान किया। इसके साथ ही बच्चों को आकर्षक पुरस्कार और उपहार भी दान किए। वक्ताओं ने कहा कि महारानी लक्ष्मीबाई ने झांसी का नाम पूरे विश्व में रोशन किया है।

वरिष्ठ नागरिक कल्याण सेवा समिति ने भारत माता पार्क दीनदयाल पार्क में दीप जलाए। बच्चों ने काव्य प्रतियोगिताएं सुनाई और नाट्य प्रस्तुत किए। अवसर पर एके सिंह, मोहम्मद अफ़्जल, कुसुम, रूप रेखा उपाध्याय, के. पुरंदरे, पीएन घोष आदि मौजूद। इधर स्टैंडर्ड एजुकेशन सोसायटी कार्यक्रम में अध्यक्ष प्रशांत पांडेय, वेनाश पांडेय, रेखा पांडेय, सुविधा गिन्होत्री ने रानी को वीरता की नमन किया। हेल्थिंग हैंडस सेवा संस्थान व तैया ताल व्यापार मंडल के सदस्यों कीकेडी चौराहा से ग्वालियर मार्ग डिवाइडर पर पौधे रोपित किए। अवसर पर सत्येंद्र कुमार तव, शकील खान, अपर नगर अरुण कुमार गुप्ता, अरुण आदि मौजूद रहे। जेसीआई नस्विनी ने परमानंद चौराहा पर दीप जलाकर रानी को नमन रजनी गुप्ता, कल्पना खर्द, संध्या अर्चना गुप्ता आदि ने रानी के 11 - 11 दीप प्रज्वलित चौराहा मित्र उत्थान समिति के



कृषि विश्वविद्यालय में वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई की जयंती पर छात्र-छात्राओं ने उनका चित्र बनाकर याद किया।

रानी की सजाई रंगोली, गाए गीत

झांसी। रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में रानी लक्ष्मीबाई की जयंती पर छात्राओं ने सांस्कृतिक व रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। साथ ही लोकगीत व देशभक्ति से ओतप्रोत गीत गाए। उद्यानिकी एवं यानिकी संकाय की बीएससी प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष व तृतीय वर्ष की छात्राओं ने महारानी लक्ष्मीबाई की युद्ध से प्रेरित रंगोली को सजाया। महारानी लक्ष्मीबाई को कुलपति प्रो. अरविंद कुमार, अधिकारियों व विद्यार्थियों ने दीपांजली दी। कार्यक्रम में कुलपति ने कहा कि रानी लक्ष्मीबाई का देश की स्वतंत्रता में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। आज हम सब जहां रानी का जन्मदिवस मना रहे हैं, उस संस्था का नाम उन्हीं के नाम पर अंकित हुआ है। हम आशा करते हैं कि विद्यार्थी एवं वैज्ञानिक कृषि शिक्षा कृषि शोध द्वारा भारत देश में रानी लक्ष्मीबाई का नाम सुनहरे अक्षरों से अंकित करेंगे। बोर्ड के सदस्य पंकज गुप्ता ने कहा कि बाल्य अवस्था से ही रानी में देशप्रेम की भावना थी। उनका जन्म काशी में हुआ तथा विवाह संस्कार झांसी में। उन्हीं के नाम से झांसी को पूरे विश्व में जाना व पहचाना जाता है। इस दौरान डॉ. एके पांडेय, डॉ. एआर शर्मा, डॉ. अर्तिका सिंह मौजूद रहे।

किशोरी लाल कुशवाहा, विजय कुमार कुशवाहा, सुंदर लाल कुशवाहा, डा. जगदीश प्रसाद, जय सिंह कुशवाहा ने लक्ष्मीबाई पार्क में, बौद्ध कबीर झलकारी बाई डा. अंबेडकर ट्रस्ट के डा. वीवी आर्या, डा. एमएल नगरिया,

आशा आर्य, लीला गौतम, मौरा वर्मा ने अटल चौक में, लोक मान्य तिलक कन्या इंटर कालेज के प्रबंधक राकेश पाठक, उप प्रबंधक भास्कर टेंगसे, अर्चना सिंह, श्रीराम गूठे, अंजू गुप्ता ने लक्ष्मीबाई व्यायाम मंदिर में, महाराष्ट्र

विज्ञान प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

बड़ागांव। जिला विज्ञान क्लब झांसी द्वारा स्वच्छ पर्यावरण और स्वस्थ जीवन प्रबंधन पर वैज्ञानिक जागरूकता के अंतर्गत बड़ागांव इंटर कालेज में क्लब स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी आयोजित की गई, जिसमें 18 विद्यालयों के चार सौ विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर 80 विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। इस दौरान हुई निबंध प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग में देवा दोहरे तथा हाईस्कूल वर्ग में तमन्ना व्यास व इंटर वर्ग में मोहनी कुशवाहा विजयी रहीं। पोस्टर प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग में निधि कुशवाहा, हाईस्कूल वर्ग में विशाखा अहिरवार, व इंटर में संतोषी कुशवाहा प्रथम रहीं। विज्ञान मॉडल हाईस्कूल वर्ग में चांदनी शर्मा व इंटर वर्ग में दीपक प्रथम रहे। सभाचार पर कर्तिंग व स्लोगन प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पाने वाली को स्मृति चिन्ह, प्रमाण पत्र व एक-एक रुपय का नगद पुरस्कार प्रदान किया गया।

गणेश मंदिर में महाराष्ट्र समाज सदस्यों ने, जन अधिकार पार्टी प्रेमवती कुशवाहा, मीना गुप्ता, अश्विनी शिवहरे, राजेश्वरी, आशा आदि संस्कार भारती सिबिल लाइंस शाख डा. रवि कनकने, मुकेश गुप्ता, रजनी गुप्ता, सुनीता अग्रवाल, रजनी अग्रवाल ने रानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा के दीप प्रज्वलित किए। प्रगति रथ ने माध्यमिक विद्यालय खजराहा बुजुर्ग विद्यार्थियों के साथ रैली निकाली अवसर पर नीतू सिंह, पूजा यशवंत प्रमोद कुमार आदि मौजूद रहे।

जलाकर दूध अर्पित किया जाता है। ताकि भगवान को मुकाम न हो। उनके अनुसार भक्त अन्य मंदिरों में भी भगवान की पोशाक और प्रसाद में परिवर्तन किया गया है।

केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय में धूम-धाम से मनाया रानीलक्ष्मीबाई का दो दिवसीय जन्मोत्सव



झाँसी। रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय में छात्राओं ने संस्कृतिक व रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति देते हुये लोकगीत एवं देश भक्ति से ओत-प्रोत गीतों की प्रस्तुति दी। उद्यानिकी एवं वानिकी संकाय की बी०एस०सी प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष एवं तृतीय वर्ष की छात्राओं ने महारानी लक्ष्मीबाई की युद्ध से प्रेरित रंगोली को सजाया। इसके साथ ही महारानी लक्ष्मीबाई को विश्वविद्यालय के कुलपति व सभी अधिकारी तथा विद्यार्थियों ने दीपांजली दी। इसके उपरान्त बी०एस०सी० प्रथम वर्ष की छात्रा ने (मणीकर्णिका) पर सुन्दर गीत की प्रस्तुति मंच पर दी। साथ ही छात्र-छात्राओं को दिये गये तत्कालिक विषय (महिला आरक्षण, महिलाओं का कृषि में योगदान आदि) पर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने अभिभाषित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डा० अरविन्द कुमार ने की। विशिष्ट अतिथि सदस्य रानीलक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय बोर्ड पंकज

कुमार गुप्ता, अधिष्ठाता उद्यानिकी एवं वानिकी डा० ए० के० पाण्डेय, निदेशक शोध डा० ए० आर शर्मा ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत् शुभारम्भ किया। अध्यक्षता कर रहे कुलपति डा० अरविन्द कुमार ने बताया कि रानी लक्ष्मीबाई जी का देश की स्वतंत्रता में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। आज हम सब जहाँ रानी का जन्मदिवस मना रहे हैं उस संस्था का नाम उन्हीं के नाम पर अंकित हुआ है। कुलपति ने अपील करते हुए कहा कि महारानी लक्ष्मीबाई को भारत रत्न मिलना चाहिए। क्योंकि उनका इस देश की आजादी के लिये महत्वपूर्ण योगदान रहा है। अधिष्ठाता डा० ए० के० पाण्डेय ने अपने वक्तव्य में कहा कि रानी लक्ष्मीबाई ने कम उम्र में अपना बहुत बड़ा नाम अंकित इस देश में कराया है। जो उन्होंने देश की स्वतंत्रता में योगदान दिया है वह

भुलाया नहीं जा सकता। निदेशक शोध डा० ए० आर० शर्मा ने आयोजन समिति व विद्यार्थियों को साधुवाद दिया और उन्होंने अपने विचार प्रकट किये। कार्यक्रम का संचालन डा० अर्तिका सिंह ने किया व आभार निदेशक शोध डा० ए० आर० शर्मा ने व्यक्त किया।

विद्यार्थियों को सुरक्षा संबंधी



हुये बता
स्कूल के
से बनी
सफाई
हुए लग
व्यतीत
बताया
सफाई
उन्होंने
सफाई
प्रबन्ध स
लेकिन
है। उन्हो
की मर
तक चं
शहर अ
कह लि
इस न
और
जाये
खि
उन्हो
जी
नहीं
मौ
गु
आ